भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3865
6/4/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

गहरे समुद्र में अन्वेषण और समुद्रयान परियोजना

3865. श्री ईरण्ण कडाडी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) समुद्रयान परियोजना की शुरूआत से इसके लिए आवंटित, संवितरित और खर्च किए गए बजट का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास इस परियोजना की शुरूआत से गहरे समुद्र में किए गए अन्वेषणों के आंकड़े उपलब्ध हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार के पास ऐसे अन्वेषणों के निष्कर्षों की जानकारी है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) डीप ओशन मिशन के तहत सितंबर, 2021 में समुद्रयान परियोजना शुरू की गई थी। समुद्रयान परियोजना के शुभारंभ के बाद से आवंटित, संवितरित और व्यय किए गए बजट का विवरण 119 करोड़ रुपये है।

(ख) जी हाँ। दिसंबर 2022 के दौरान, भूभौतिकीय, समुद्र विज्ञान संबंधी और समुद्र तल की विशेषताओं को प्राप्त करने के लिए मध्य हिंद महासागर बेसिन में पॉलीमेटेलिक मैंगनीज नोड्यूल के लिए गहरे समुद्री अन्वेषण का प्रारंभिक परीक्षण स्वायत्त अंतर्जलीय वाहन (ओशन मिनरल एक्सप्लोरर - 6000 - OMe 6000) का उपयोग करके 5270 मीटर की गहराई पर किया गया था।

(ग) जी हाँ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय/एनसीपीओआर ने बहु-धातु हाइड्रोथर्मल सल्फाइडों के संभावित स्थानों का पता लगाने के लिए हिंद महासागर में मध्य-समुद्री रिजों के गहरे समुद्र क्षेत्रों में व्यापक समुद्र विज्ञान संबंधी, भूभौतिकीय, भूवैज्ञानिक और जैविक डेटा एकत्र किया है। एकत्र किए गए डेटा के विश्लेषण, एकीकरण और व्याख्या से हिंद महासागर के समुद्र तल पर संभावित हाइड्रोथर्मल वेंटिंग और खनिजकरण के अनेक स्थानों का पता चला है। इसके अतिरिक्त, कई नई जैविक प्रजातियों का भी मानचित्रण और पहचान की गई है।

*****